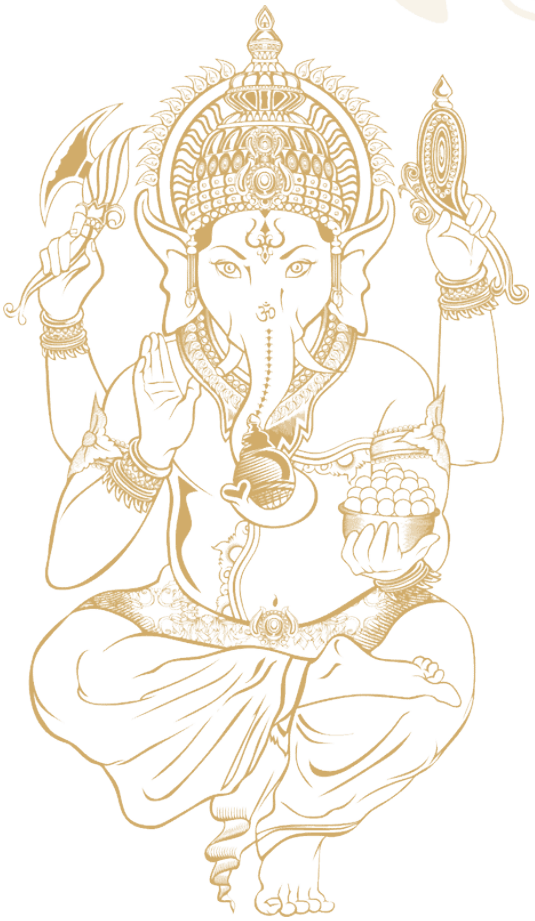

Krishna Ishika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121921402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/04/2000	जन्म तिथि	20/08/2000
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 20:35:00	जन्म समय	10:50:00 घंटे
घटी 36:35:16	जन्म समय(घटी)	12:22:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Jind
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:19:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:56:53	सूर्योदय	05:55:39
18:46:22	सूर्यास्त	18:59:29
23:51:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:42

विंशोत्तरी केतु 1वर्ष 5मा 12दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 6वर्ष 1मा 16दि शुक्र	
27/09/2021		25:14:17	तुला	लग्न	तुला	06:47:48	07/10/2006	
27/09/2027		01:06:38	मेष	सूर्य	सिंह	03:37:53	07/10/2026	
सूर्य	14/01/2022	10:34:03	सिंह	चंद्र	मेष	01:39:32	शुक्र	05/02/2010
चन्द्र	16/07/2022	22:32:09	मेष	मंगल	कर्क	18:28:36	सूर्य	05/02/2011
मंगल	21/11/2022	08:37:27	मीन	बुध	सिंह	01:44:23	चन्द्र	06/10/2012
राहु	16/10/2023	05:59:49	मीन	शुक्र	सिंह	22:43:10	मंगल	06/12/2013
गुरु	03/08/2024	23:15:45	मेष	शनि	वृष	06:38:05	राहु	06/12/2016
शनि	16/07/2025	05:59:49	कर्क व	राहु व	कर्क	00:15:53	गुरु	07/08/2019
बुध	22/05/2026	26:18:01	मक	केतु व	मक	00:15:53	शनि	07/10/2022
केतु	27/09/2026	12:33:39	मक	हर्ष व	मक	24:37:39	बुध	06/08/2025
शुक्र	27/09/2027	18:47:58	वृश्चि व	नेप व	मक	10:42:21	केतु	07/10/2026
				प्लूटो व	वृश्चि	16:17:26		

लग्न-चलित

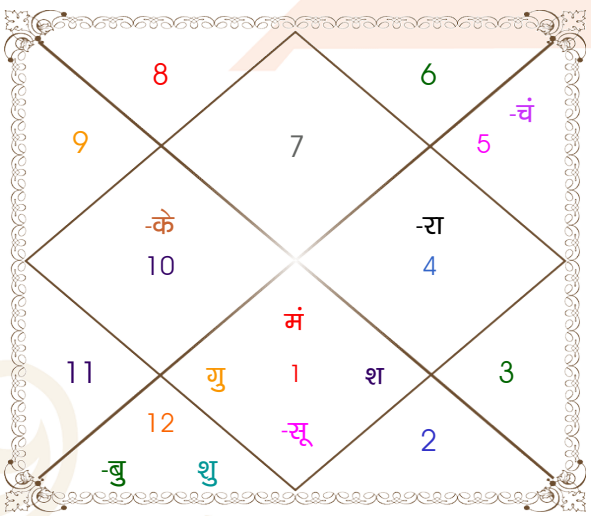

लग्न-चलित

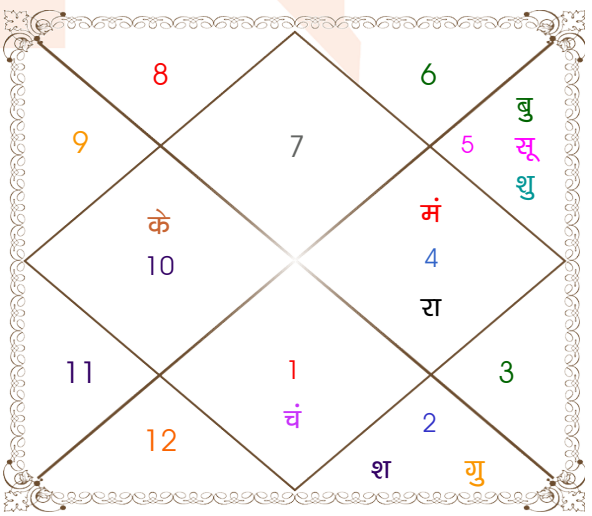

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ज्ञतपेंदं का वर्ग मूषक है तथा पेपां का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञतपेंदं और पेपां का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञतपेंदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल ज्ञतपेंदं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ज्ञतपेंदं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ज्ञतपेीदं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

पेपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ज्ञतपेीदं तथा पेपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।